अध्याय 4. जलवायु

प्रश्न – जलवायु किसे कहते है ?

उत्तर – एक विशाल क्षेत्र मे लंबे समय तक समयाविधि (30 वर्ष से अधिक) मे मौसम की अवस्थाओ का कुल योग ही जलवायु है ।

प्रश्न – मानसून किसे कहते है ?

उत्तर – मानसून का अर्थ एक वर्ष के दोरान वायु की दिशा मे ऋतु के अनुसार परिवर्तन है ।

प्रश्न – मौसम और जलवायु के मुख्य अवयय कौन कौन से है ?

उत्तर – ये तत्व है :– 1. तापमान 2. वायुमंडलीय दाब 3. पवन 4. आर्द्रता 5. वृष्टि

प्रश्न – भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु क्यो कहा जाता है ?

उत्तर – भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहने के निम्नलिखित कारण है :–

1. भारत 20^0 उ और 20^0 द के बीच उष्णकटिबंधीय क्षेत्र मे स्थित है ।
2. भारत का उतर की ओर आधा भाग उपोष्ण क्षेत्र मे पडता है । यहाँ उतर पूर्वी व्यापारिक पवने बहती है ।
3. यहाँ दाब और सतही पवने उपरितन सचार पश्चिमी विक्षोभ और उष्णकटिबंधीय चक्रवात की दशाएँ है ।
4. यहाँ एल निनो दक्षिणी दोलन की घटना सक्रिय रहती है ।

प्रश्न – भारत के कौन से स्थान मे विश्व की अधिकतम वर्षा होती है ?

उत्तर – असम राज्य के मासिनराम मे ।

प्रश्न – भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक कौन कौन से है ?

उत्तर – भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है :–

1. अक्षांश
2. ऊँचाई
3. वायुदाब एवं पवन तंत्र
4. स्मुद्र से दूरी
5. महासागरीय धाराएँ
6. उच्चावल लखण

प्रश्न – कोरिआलिस बल क्या है ?

उत्तर – पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न आभासी बल को कोरिआलिस बल कहते है।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – जंट धाराएँ कितने डिग्री अक्षांशो के बीच स्थित होती है ?

उत्तर – 27^0 से 30^0 अक्षांशो के बीच ।

प्रश्न – भारत मे जलवायु संबंधित मौसमी अवस्थाएँ किन वायुमंडलीय अवस्थाओ से सचालित होती है ?

उत्तर – भारत मे जलवायु संबधित मौसमी अवस्थाँए निम्नलिखित वायुमंडलीय अवस्थाओ से संचालित होती है :–

1. वायुदाब एवं धरातलीय पवने
2. ऊपरी वायु परिसंचरण
3. पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ एवं उष्ण कटिबंधीय चक्रवात

प्रश्न – जेट धाराएँ क्या है ? ये भारत की जलवायु को किस तरह प्रभावित करती है ?

उत्तर – ये क्षोभमंडल मे 12000 मीटर की ऊँचाई पर प्रभावित पवनें है। वस्तुतः ये अत्यअधिक ऊँचाई पर बहने वाली पश्चिमी जेट पवनें है । ग्रीष्म मे इनका वेग लगभग 110 किलोमीटर प्रति घंटा और शीत ऋतु मे इनका वेग 184 किलोमीटर प्रति घंटा रहता है । ये मध्य अक्षांश तथा उपोष्ण क्षेत्र के ऊपर चली है । ये धाराएँ 27^0–30^0 उतर अक्षांश मे बहती है । ये पश्चिमी विक्षोभ को उत्पन्न करती है । ऐसे विक्षोभ भारत के उतर और उतरी–पश्चिमी भागो मे बनते है । इन्हे उपोष्ण पश्चिमी जेट धाराएँ कहा जाता है ।

प्रश्न – जेट धाराँए क्या है ?

उत्तर – ये एक संकरी पट्टी मे स्थित क्षोभमंडल अत्यअधिक ऊचाँई वाली पश्चिमी हवाँए होती है ।

प्रश्न – पश्चिमी चक्रवात विक्षोभ क्या है ?

उत्तर – सर्दी के महीनो मे उत्पन्न होना वाला पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ भूमध्य सागरीय क्षेत्र से आने वाली पश्चिमी प्रवाह के कारण होता है । इन्हे ही पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ कहते है ।

प्रश्न – मानसून का प्रभाव उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रो मे लगभग कितना रहता है ?

उत्तर – मानसून का प्रभाव उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रो मे लगभग 20^0 उतर एवं 20^0 दक्षिण के बीच रहता हैं

प्रश्न – अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र क्या है ?

उत्तर – विषुवतीय अक्षांशों में विस्तृत गर्त एवं निम्न दाब के क्षेंत्र को ही अंतः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र कहते हैं ।

प्रश्न – एलनीनों किसे कहते है ?

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

उत्तर – ठंडी पेरू जल धारा के स्थान पर स्थाई तौर पर गर्म जल धारा के विकास को एलनीनों कहते है।

प्रश्न – भारत में मानसून का आगमन कब होता है ?

उत्तर – भारत में मानसून का आगमन जून के आरंभ से लेकर मध्य सितम्बर के बीच होता है।

प्रश्न – काल वैशाखी किसे कहते है ?

उत्तर – द्रीव हवाओं के साथ गरज वाली मूसलाधार वर्षा भी होती हैं तथा इसके साथ प्रायः हिमवृष्टि भी होती है । वैषाख के महिने में होने के कारण इसे काल वैशाखी कहते है।

प्रश्न – पश्चिमी विक्षोभ क्या है ?

उत्तर – ये पश्चिमी और पूर्वी जेट धाराओं द्वारा लगाये गए विक्षोभ है, ये देश के उत्तर और उतर–पश्चिमी भागों में अपना प्रभाव डालते है।

प्रश्न – भारत के द्वीप समूहो मे कब वष्र होती है ?

उत्तर – अप्रैल के प्रथम सप्ताह मे । यह मई माह के प्रथम सप्ताह तक वर्षा प्राप्त करते है ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com